



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1029]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 3, 2004/अग्राहायण 12, 1926

No. 1029]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 3, 2004/AGRAHAYANA 12, 1926

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

( उपभोक्ता मामले विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 2004

का.आ. 1323(अ).—केंद्र सरकार, एतद्द्वारा संप्रतीक और नाम (अनुचित प्रयोग निवारण) अधिनियम, 1950 (1950 का 12) की धारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम की अनुसूची में निम्नलिखित संशोधनों का निदेश देती है, अर्थात् :—

संप्रतीक और नाम (अनुचित प्रयोग निवारण) अधिनियम, 1950 की अनुसूची में क्र.सं. 25 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित को अंतःस्थापित किया जाएगा :—

“26”. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के प्रतीक चिह्न/संप्रतीक का वर्णन इस प्रकार है :—

(i) प्रतीक चिह्न के केंद्र में अशोक चक्र को दिखाया गया है। चक्र के ऊपरी अर्ध भाग की पंखुड़ियां, जो राष्ट्रीय ध्वज से ली गई हैं, ऊपर और बाहर की ओर फैलती हुई चमकीली नारंगी किरणों में परिवर्तित होती हैं। सूर्य की किरणों की भांति ये भी व्यापक बेधक क्षमता सहित आशा और गति की सूचक हैं। ये किरणें बिना किसी भेद-भाव के सबको लाभ पहुंचाती हैं और इन्हें किसी प्रकार की सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता। दोनों तरफ स्थित दो भुजाएं पूरे प्रतीक की रखवाली करती हैं जिससे ऐसा प्रतीत होता है मानो वे उसे उठा रही हैं तथा इसकी रक्षा कर रही हैं और ऐसा करके वे सार्वभौमिक स्नेह और आशा का संदेश दे रही हैं जो कि मानवता का जन्मसिद्ध अधिकार है।

(ii) संस्कृत उक्ति “सर्वे भवन्तु सुखिनः” को भी प्रतीक चिह्न में शामिल किया गया है।

[फा. सं. 23/(6)/आई टी/2003]

डी. के. मुखोपाध्याय, आर्थिक सलाहकार

**MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION****(Department of Consumer Affairs)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 3rd December, 2004

**S.O. 1323(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 8 of the Emblems and Names (Prevention of Improper Use) Act, 1950 (12 of 1950), the Central Government hereby directs the following amendments in the Schedule to the said Act, namely :—

In the Schedule to the Emblems and Names (Prevention of Improper Use) Act, 1950, after serial number 25 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

“26”. The logo/emblem of the NHRC described below :

(i) The logo features the Ashoka Chakra at its heart. The petals in the upper half of the Chakra, which is derived from the national flag, change to brilliant orange rays radiating upwards and outwards. Like the sun's rays, these too are indicative of hope and movement, with a far reaching penetrating quality. The rays benefit all, without distinction, and are not subject to limitations of any kind. The entire symbol is guarded by two side arms which seem to raise it and protect it, thereby suggesting universal love and hope—qualities which are the birthright of all mankind.

(ii) The Sanskrit quotation “Sarve Bhavantu Sukhinah” is also incorporated in the logo.

[F. No. 23/(6)/IT/2003]

D. K. MUKHOPADHYAY, Economic Adviser